राज्य स्तरीय आकलन

FA	1

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : अष्टमी | **विषय : संस्कृतम्**

PAPER CODE : 8051 | **पूर्णांक : 10**

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड 'अ' (अंक 05)

LO – LS - 809 – किसी पाठ्यवस्तु की बारिकी से जांच करते हुए उनमे दिए विशेष बिन्दु को खोजते है। अनुमान लगाते है निष्कर्ष निकालते है।

1. **गतिविधि 01 –** प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता (कौन बनेगा सर्वश्रेष्ठ)।

   अधिगम परिणाम – कौशल – **बोलना।**

2. **उद्देश्य –** विद्यार्थियों में बोलना कौशल का विकास करना एवं श्लोक–सूक्ति–सन्धि–समास–प्रश्नोत्तर संबंधी स्मरण–क्षमता का विकास करना।

3. **आवश्यक सामग्री –** श्लोक–सूक्ति–सन्धि–समास–प्रश्नोत्तरों की सूची।

4. **शिक्षक कार्य/कथन –** प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक समूह के लिए पाँच अलग–अलग प्रकार के प्रश्न दिये जाएंगे। किसी समूह के विद्यार्थी के द्वारा दिया गया उत्तर उस समूह का उत्तर मानकर अंक दिये जाएंगे। यह भी ध्यान रखना है कि समूह से प्रत्येक विद्यार्थी की सहभागिता सुनिश्चित हो।

5. **गतिविधि के चरण –**

- कक्षा के विद्यार्थियों को चार समूहों में (विद्यार्थी संख्या अधिक होने पर 6 समूह तक विस्तार) विभाजित करें एवं उचित क्रम में व्यवस्थित बैठायें।
- अब प्रश्नोत्तरी प्रारंभ करें। प्रथम चक्र में प्रत्येक समूह को पाठान्तर्गत श्लोकों का प्रथम शब्द दें। समूह से 10 सेकण्ड तक उत्तर की प्रतीक्षा करें। 10 सेकण्ड पश्चात, उसकी पारी समाप्त मानी जावेगी।
- अब दूसरे, तीसरे .... अंतिम समूह के लिए श्लोक प्रथम शब्द देवें। इस तरह एक चक्र पूरा करें।
- इसी प्रकार दूसरे, तीसरे, चौथे, पाँचवे छठे चक्र के लिए सूक्ति–सन्धि, समास तथा प्रश्नोत्तर के द्वारा प्रक्रिया पूर्ण करें।

6. आकलन की प्रक्रिया –

समूह के द्वारा सही उत्तर पर प्रत्येक चक्र में समूह के सभी विद्यार्थियों को 1–1 अंक दें।

आकलन प्रारूप

कक्षा – अष्टमी **विषयः – संस्कृतम्**

क्र.	समूह क्र.	विद्यार्थियों के नाम	श्लोक	सूक्ति	सन्धि	समास	प्रश्नोत्तर	कुल अंक

LO – LS - 809 – किसी पाठ्यवस्तु की बारिकी से जांच करते हुए उनमे दिए विशेष बिन्दु को खोजते है। अनुमान लगाते है निष्कर्ष निकालते है।

1. **गतिविधि 02 –** हाँ मैं बोल सकता हूँ।

   अधिगम परिणाम – कौशल – **अभिव्यक्ति**

2. **उद्देश्य –** तात्कालिक वाक्य प्रयोग की क्षमता विकसित करना।

3. **आवश्यक सामग्री –** शब्दों के नाम लिखे हुए कागज के पुर्जे (टुकडे) एक डिब्बा।

4. **शिक्षक कार्य/कथन –** अभी आप लोगों को एक गतिविधि कराई जाएगी। जिसमें आपको अपने क्रम में डिब्बे में रखे हुए कागज के पुर्जे को उठायेंगे तथा उसमें लिखे गये शब्द को शामिल करते हुए एक संस्कृत वाक्य बोलना है। इसके पाँच चरण होंगे। प्रत्येक चरण के लिए 1 अंक निर्धारित है।

5. **गतिविधि के चरण –**

   - शब्द लिखे गए कागज के पुर्जो को एक खुले डिब्बे में रखकर टेबल पर रख दें। पुर्जो के पाँच समूह होंगे मूलशब्द, शब्दरूप, मूलधातु, धातुरूप, तथा अव्यय। (एक चक्र में एक समूह के पुर्जे रखें)
   - अब विद्यार्थी क्रमशः आकर एक पुर्जा उठायेंगे और उस पर लिखे शब्द को शामिल करते हुए एक सार्थक संस्कृत वाक्य बोलेंगे।
   - एक चक्र पूरा होने पर अन्य शब्द समूहों के साथ पाँच चक्र तक पूरा करें।

6. **आकलन की प्रक्रिया –**

   प्रत्येक सही वाक्य प्रयोग पर 1 अंक प्रदान किये जाएंगे –

आकलन प्रारूप

कक्षा – अष्टमी **विषयः – संस्कृतम्**

क्र	**विद्यार्थियों के नाम**	**चक्र 1 मूलशब्द**	**चक्र 2 शब्दरूप**	**चक्र 3 मूलधातु**	**चक्र 4 धातुरूप**	**चक्र 5 अव्यय**	**कुल अंक**

LO – LS - 809 – किसी पाठ्यवस्तु की बारिकी से जांच करते हुए उनमे दिए विशेष बिन्दु को खोजते है। अनुमान लगाते है निष्कर्ष निकालते है।

1. **गतिविधि 03 –** खेल–खेल में अव्यय–ज्ञान।

   अधिगम परिणाम कौशल – **बोलना**

2. **उद्देश्य –** सामान्य अव्ययों के प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान कराना।

3. **आवश्यक सामग्री –** एक फलक (टेबल)।

4. **शिक्षक कार्य/कथन –** अभी हम एक खेल के माध्यम से ऐसी गतिविधि करेंगे जिससे आप लोग संस्कृत के बहु उपयोगी, अव्ययों के प्रयोग को व्यावहारिक रूप से समझ सकते हैं। निर्देशों को ध्यान से सुनना है और उसके अनुसार करना व कहना है।

5. **गतिविधि के चरण –**

- पर्याप्त स्थान हो तो कक्षा में अथवा प्रांगण में विद्यार्थियों को खड़ा करें।
- स्थान वाचक अव्ययों, अन्तः, बहिः, पुरतः, अभितः, सर्वतः अत्र, तत्र, कुत्र, उपरि, अद्य, पार्श्वे, पश्चात्, अग्रे, मध्ये आदि का वाक्य के साथ क्रिया–कलाप करके विद्यार्थी प्रदर्शित करेंगे। इसके लिए शिक्षक उचित निर्देश प्रदान करते जायेंगे।
- इसी प्रकार दो या अधिक वस्तुओं/विद्यार्थियों के नाम के साथ 'च', अपि, सह आदि अव्ययों के प्रयोग को समझाकर विद्यार्थियों को वाक्य प्रयोग के साथ क्रिया–कलाप करने का निर्देश करें।
- प्रत्येक विद्यार्थी को अलग–अलग अव्ययों के प्रयोग के साथ 5 अवसर (कम से कम) दिये जायेंगे।

6. **आकलन की प्रक्रिया –**

   प्रत्येक अवसर पर एक अंक निर्धारित होगा।

आकलन प्रारूप

कक्षा – अष्टमी **विषयः – संस्कृतम्**

क्र	विद्यार्थियों के नाम	अव्ययों के नाम					कुल अंक
		चक्र 1	**चक्र 2**	**चक्र 3**	**चक्र 4**	**चक्र 5**	

		मूलशब्द	शब्दरूप	मूलधातु	धातुरूप	अव्यय	

खण्ड 'ब' **(अंक 05)**

LO – LS - 805 – लकारों का व्यावहारिक प्रयोग भी कर सकते हैं। संधि, समास, कारक, लिंग, विभक्ति, वचन, पुरूषकाल के विषय में सामान्य जानकारी रखते है व प्रयोग करते है।

1. **गतिविधि 01 –** 'समासं कुरु'।

   अधिगम परिणाम कौशल – **बोलना**

2. **उद्देश्य –** विद्यार्थियों में द्वन्द्व–समास का अभ्यास कराना।
3. **आवश्यक सामग्री –** द्वन्द्व–समास आधारित कुछ शब्द।
4. **शिक्षक कार्य/कथन–** आज हम समास से संबंधित खेल खेलेंगे। निर्देश के अनुसार उचित संख्या में समूह बनाकर समूह के सभी विद्यार्थियों के नामों को समास करके एक सामासिक पद बनायेंगे।
5. **गतिविधि के चरण –**
   - सभी विद्यार्थियों को मैदान में भिन्न–भिन्न खड़ा करें।
   - अब शिक्षक दो तीन या चार की संख्या का निर्देश करें। सभी विद्यार्थी उस संख्या के अनुसार समूह बना लेंगे।
   - प्रत्येक समूह के विद्यार्थी अपने नाम को अंतिम में रखते हुए सभी नामों का समास करके बताते जायेंगे। इस क्रिया को अनके चक्रों तक करा सकते हैं।
6. **आकलन की प्रक्रिया –**

   जो विद्यार्थी अपने समूह के सभी नामों का सही सामासिक पद बनायेंगे उसे प्रत्येक चरण के लिए 1 अंक दिया जायेगा।

आकलन प्रारूप

कक्षा – अष्टमी **विषयः – संस्कृतम्**

क्र	विद्यार्थियों के नाम	चक्र 1	चक्र 2	चक्र 3	चक्र 4	चक्र 5	कुल अंक

LO – LS - 805 – लकारों का व्यावहारिक प्रयोग भी कर सकते हैं। संधि, समास, कारक, लिंग, विभक्ति, वचन, पुरूषकाल के विषय में सामान्य जानकारी रखते है व प्रयोग करते है।

1. **गतिविधि 02** – शब्दरूप वृत क्रीड़ा।

   अधिगम परिणाम कौशल – **बोलना**

2. **उद्देश्य** – विद्यार्थियों में शब्दरूप का अभ्यास कराना एवं उनसे सम्बन्धित स्मृति की जाँच कराना।
3. **आवश्यक सामग्री** – कुछ शब्दों के शब्दरूप।
4. **शिक्षक कार्य/कथन** – शिक्षक द्वारा बच्चों को कुछ शब्दों के शब्दरूपों से परिचित कराया जायेगा फिर खेल के माध्यम से शब्दरूपों का अभ्यास कराते हुए बच्चों के स्मरण क्षमता की जाँच करेंगे।
5. **गतिविधि के चरण –**

   - बच्चों को गोल घेरे में बैठायेंगे।
   - अब शिक्षक द्वारा किसी शब्द का प्रथमा विभक्ति तीनों वचन में किसी बच्चे को बोलने कहा जायेगा।
   - इसी प्रकार द्वितीया, तृतीया से सम्बोधन तक उसी शब्द के शब्दरूप अन्य बच्चों के द्वारा क्रमशः बोलो जायेगा।
   - जो बच्चा अपने क्रम की विभक्ति का शब्दरूप नहीं बोल पायेंगे उसे शिक्षक के द्वारा बताया जायेगा।

- इसी तरह एक चक्र पूरा होने पर अन्य शब्दों के शब्दरूपों का अभ्यास करेंगे। अन्य शब्द का शब्दरूप अन्य बच्चे से प्रारम्भ किया जायेगा।

6. आकलन की प्रक्रिया –

निम्नांकित प्रारूप के आधार मूल्यांकन करें।

आकलन प्रारूप

कक्षा – अष्टमी **विषयः – संस्कृतम्**

क्र	**विद्यार्थियों के नाम**	**चक्र 1**	**चक्र 2**	**चक्र 3**	**चक्र 4**	**चक्र 5**	**कुल अंक**
	शब्दरूप						

LO – LS - 805 – लकारों का व्यावहारिक प्रयोग भी कर सकते हैं। संधि, समास, कारक, लिंग, विभक्ति, वचन, पुरूषकाल के विषय में सामान्य जानकारी रखते है व प्रयोग करते है।

1. **गतिविधि 03 –** धातुरूप वृत क्रीड़ा।

   अधिगम परिणाम कौशल – **बोलना**

2. **उद्देश्य –** विद्यार्थियों में धातुरूप का अभ्यास कराना एवं उनसे सम्बन्धित स्मृति की जाँच कराना।
3. **आवश्यक सामग्री –** कुछ धातुओं के धातुरूप।
4. **शिक्षक कार्य/कथन –** शिक्षक द्वारा बच्चों को कुछ धातुओं के धातुरूपों से परिचित कराया जायेगा फिर खेल के माध्यम से धातुरूपों का अभ्यास कराते हुए बच्चों के स्मरण क्षमता की जाँच करेंगे।
5. **गतिविधि के चरण –**

- बच्चों को गोल घेरे में बैठायेंगे।
- शिक्षक द्वारा किसी धातु का लट्लकार में प्रथम पुरुष के तीनों वचनों में धातुरूप बोलने कहा जायेगा। इसी क्रम में दूसरा बच्चा मध्यम पुरुष तथा तीसरा बच्चा उत्तम पुरुष के धातुरूपों को बोलेगा।

- इस प्रकार एक धातु के तीनो पुरुषों में धातुरूप पूरा होने पर चौथे बच्चे से नये धातु का रूप बोलने के लिए कहा जायेगा।
- इस प्रकार प्रत्येक बच्चे के लिए 05 चक्र पूर्ण होने तक यह गतिविधि कराया जायेगा।

6. **आकलन की प्रक्रिया** – निम्नांकित प्रारूप के अनुसार प्रत्येक चरण में 1 अंक के आधार पर मूल्यांकन करेंगे –

आकलन प्रारूप

कक्षा – अष्टमी **विषयः – संस्कृतम्**

क्र	विद्यार्थियों के नाम	चक्र 1	चक्र 2	चक्र 3	चक्र 4	चक्र 5	कुल अंक
	धातुरूप						